

[illegible]



૧૬૫ તુલસી માહાત્મ્યે  
(જુએવર્ણનો)

ASHA ARCHIVES 2984



[illegible]

यन्मासमस्तत्राय ॥ १ ॥ ताकध्वगुदनिर्भक्त यजिगर्विदिगानदि दशननगिगुह  
 ॥ २ ॥ समस्तैर्भक्तस्यार्तं गुवनिदसनयाकायूरत्नं यजायाकाननमस्काद  
 न गुवनिवयुक्तकादशनयाकान कासि सादानविद्यायादुवमार्गं ॥ २ ॥ धन्यासमानवोवाका  
 सिंयु चोदिगोवयम् भावमुमजिवायाथ गुवनिपुण्यदंशुवा ॥ ॥ ग्वनष्यपुत्रसन सविपय  
 यन सावोमामनकाय गुवनिपियावकाय थकापुत्रसधरत्नकाय ॥ ३ ॥ गुवनिपयदिविन्वनि



नकवयन्नवो कनवार्थकवायव यचनिरुक्तवो ॥ गयकयवषनधीकुकुक्तकय निमि  
नयथिविगु वगियियावगव थक्यावादाथधलधया ॥ ४ ॥ **किंकविरुगिसंयुक्त** मन्व  
वविसुव वगिदवनयवगियुजितायनदयहा ॥ ॥ **गमकयवषनगुवगिष्यजाया** ॥ ॥  
युवषयाधनसंयगिदयीव वगसीयादवनविषुयुजायागसा समसुदवगार्कसंगुक्त  
नियज्जादिगमन किंकयकी विववु यवयनिरुक्तमूर्ति वगिदवध मवो ॥

यादवनधीकुकु युयायादवीकुकु गनवसीनिरुक्तगामसाव ॥ ७ ॥ **संवेदुधीद**  
नदागठमलुव कुद्वनियुजनीयव गयगियुवसागर्क ॥ **गमकयवषनमैलुदयक** ॥ ॥  
मयधवस्क वगिवाक्यसोथकमुरुवनिव ॥ ॥ **सानदागकथध्यान** यागनकगवजने  
वगिकोरुनागसिं पुन्यधदद्विकरुल ॥ ॥ **भावकयवषन** दानयाववग ध्यानयावववग  
मन्त्रप्रानयाववग यवमयधवयुजायायववस वगिगानासकायामाणन अकियन्यवार्क ॥







गवक्षयवृद्धार्थं सानिधनाय व ॥ ॥ घनषु पुत्रमिमांसा कथं स धनत्रयाया पुन्येन । यत्र  
त्रेविषुस्य । कंसासु मूत्रकावर्णकवृद्धिघातं ॥ १५ ॥ **वायिना जामवीर्य** । सूर्यरूपेन यादिव  
ऊनदिक्कागुत्रमि ॥ ग्वेमतिमिव र । पुत्रमिषिया वरदियायु । लन । श्रीरूपेन सहस्र । गायिय विम  
रुद्रायार्ग ॥ १६ ॥ **वशिष्ठवचनायुर्व** । नाम्नसुल्लयुट्ठ । दशग्रीववधाय ॥ ॥ **पूर्वका**  
नो । वशिष्ठमाहात्म्येन । मयसुमि विरजगुत्रमिषिया । पुन्यनयामर्वन्यायन । वाहनस

वक्यं ॥ १७ ॥ **निर्वाणन** । यन्निर्वाणनकार्ग । **शूरभकवर्निकामध्य** ॥ ॥ **वा**  
नन । पुन्येयकायवध । नामर्वदुयावियागश्यावथाव । **धम्यवशा** । लनागु । **शूरभवनिकायामध्य**  
गुत्रमिषिया पुन्यन । नामर्वदुनायवार्ग ॥ १८ ॥ **संकथार्थममाधवी** । पुत्रावधिसावधवायिना  
नष्टरुक्का । पुत्रमिस्त्रीनमामिर्द ॥ ॥ **पूवायुर्वसदिमानयस** । याव्विनिगुत्रमिषियायु । लन  
महाधवसामिवार्ग ॥ १९ ॥ **पुथागवजिगनिर्वा** । कावृन्धमाधवस्यववायिनास्त्रीयाद







स्थानिवापि स्थित्यादिकया। गंगामसमस्तं समस्तं द्वास्तं गया। अथ गुप्तनिधयमस्यय॥ १४॥  
वध्वीकिं ध्यायन्। कथितानस्य विना। गुप्तनिवात्रीनासार्थं गानासंगमरुतव॥ ॥ किं  
ध्यानगतस। माकवया। जावात्रीमहावाजा। थरवाजा। गुणीवनगुप्तनिधायकपू। धन। वात्रीवाजा  
सूत्रकाव। गावाधिविवसंगराफरुभा॥ १५॥ यनम्यगुप्तनिधवि सागवाकर्मभक्तुठ। सामिका  
जयद्रुतु। रुनुसानेयशगि। ॥ रुनुमंननसमूहपूवाव। थकावकायपूत्रम। गुप्तनिधि

काया। गुप्तनिधुकावसाधारुवन। स्वामियाकार्ययादिविने॥ १६॥ गुप्तनिधुकावसाधारुवन।  
किपागक। सर्वदामनिमाईवदकशुथादि। अधनी॥ ॥ गुप्तनिवनभायामागन। समस्तया  
पम्वकवे। वदकशुथादिनि। यापम्वकवे। मयिपनिस्थि। द्वायावचने॥ १७॥ गुप्तनिधुकाव  
ठिन। यस्तोपनिधुमावदु। गंगामस्यमवाध्यागि॥ ॥ गुप्तनिधुकावकाठिकवडावेवन।  
थवनिधुसहाय। यद्वीनिधुकावगंगामावदुयागारुवार्त। सा१० दानविद्यायारुव॥ १८॥







[illegible]

गन्तव्यमथा ॥ ३८ ॥ डिं ब्याधि विनिश्चयमावर्द्धकमग्निं कुयसि सुवकुपयिषं रुच्यं रुच्यं  
निमाज्यं ॥ ३९ ॥ कुवापनवग्रययायायुःजनः परासनिवहयावः साधनवनिव ॥ ३९ ॥

[illegible]







[illegible][illegible]



[illegible][illegible]



[illegible][illegible]







A close-up photograph of a piece of aged, yellowed paper or parchment. The surface is heavily textured with creases, wrinkles, and discoloration. A grid of dark, irregular lines is visible, suggesting a former binding or a watermark. The paper shows significant wear, including small dark spots and a mottled appearance.

**ASHA ARCHIVES**

|               |      |  |
|---------------|------|--|
| प्र. सं. २९८४ | २९८४ |  |
|---------------|------|--|







१४ गङ्गा गङ्गा गी त्रि वा न तं विवृ म गं ह दे क न रा क ज ल  
१ श्री गङ्गा गङ्गा लो लो प न मः विद्यु स्व लो य वि वा य वि स्व ड पा य न मः  
श्री जयं तिं मं ङाला कालि ज द मा ली क पा लो रा ड ल गा ल मा स्य वा वा ति स्वा हा स्व ध्या न मः  
तु त्य श्री

॥ श्री गङ्गा नमः

१ वि न ता सा क ग नै राः प्वा थ वि न न न्य सृ ज्ति र न वान्ता क रू य दंतः

क पा न प्र ति हा न न क

ना ल र ना न न व रा ड कं ड १४ वं हं रा वा हे न य पं चि रा क्षा त्र न्य १  
६ लि न र ४३ र प्वा नि १ १ १ १ व र ति न य का म न न र ४३







१ तागलाये॥ कताली॥ कि प्राज्ञ न गतयुः हिता ज्ञा न प्राप्ता म मत्त ५ डी ग्ट यो याया  
वलि थाये॥ पिपिषा यानु गत याक्ता ॥ सप्त १० सिला ॥ सग मन मुद्रया गगार  
३॥ तना ॥ म डमा ३ न मुता ॥ तत आत्मना म वेक ॥ सना वेका या ॥ कि क वा म म  
२॥ ॥ स गग या येन वे य प ५४ वे ॥ ३५ क क वा वेक ॥ ३५ गिनी या दे ३५  
३५ ॥ ३५ म न व ता व ता ॥ ३५ दि न ॥ ३५ यो पी व स न वा त ॥ ३५ म ड न र वा न  
३५ ॥ ३५ न य म ल य ल ॥ ३५ ना ॥ ३५ ५ ३५ ॥ ३५ म म दि म त ॥ ३५ ३५ ॥  
३५ ॥ ३५ ॥ ३५ ॥

३५ ॥ ३५ ॥ ३५ ॥







१ नमो ह ग व न वा सु द वा य ॥ ॥ प्रथम नु रु त्रि त्रि य्या त्, द्वि त्रि यं नाम क म वं । २ ती  
यं प क्ष ना र द्य । त्रु र्थं वा म न रु थ ॥ १ ॥ पं च मं द व ग र्थे च, षष्ठं च म धू सु द नं । स फ म  
म्वी म द्ध व द्य, व त्रा से म रु म न थ ॥ २ ॥ न व मं पू लु ती का र्थे, द म्भ मं तु रु ना र्थे नं । कृष्ण  
का द मं नाम, द्वा द म्भं श्री ध त रु थ ॥ ३ ॥ न त द्वा द म्भं नामानि, विष्णु १२ प्रा कृ नि धी म त ४  
। सा यं प्रा त ४ प १० नि य, ल र त्ते म्भू लू पा लु व ॥ ४ ॥ चा लु य न रु थ नि, त्रा रु सु र्थ म्भ  
सा यं प्रा त ४ प १० नि य, ल र त्ते म्भू लू पा लु व ॥ ४ ॥ चा लु य न रु थ नि, त्रा रु सु र्थ म्भ

तानि च ४ । त्रु र्थं म्भू ध रु थ नि, क न्या द न म्भू तानि च ॥ ५ ॥ म वं का टि रु थ नि, रु  
लं प्रा प्रा ति मा न व ॥ पू र्ण मा म्भू म्भू मा वा म्भू, द्वा द म्भं च वि र्म ष त ॥ ६ ॥ म्भू त म्भ  
वृ पा पु र्था, विष्णु लो कं स ग रु ति ॥ ॥ १ ॥ ति श्री विष्णु द्वा द म्भं नाम रु थं रा मा प ४ ॥ ॥  
~~विष्णु लो कं~~







प्रसरावे दैत्य ते धः दनुजैः प्रशिखनवाः॥

श्री कृष्णाय नमः॥१॥

श्री लीलाय नमः॥२॥

श्री कालिकाय नमः॥३॥

श्री कालिकाय नमः॥४॥

श्री कालिकाय नमः॥५॥

श्री कालिकाय नमः॥६॥

श्री कालिकाय नमः॥७॥

श्री कालिकाय नमः॥८॥

श्री कालिकाय नमः॥९॥

श्री कालिकाय नमः॥१०॥

श्री कालिकाय नमः॥११॥

स्वर्ग ०॥ मिमी ॥ सुधा ॥ ४॥ सिखा  
लिप्या चंद्रप कने सी वा पा लि स ड लि  
म नि मंद प स ड लि लि चार प र र प  
कल ड लि न क व लि स गो ज क नू ग र त  
का वा हा त ह स ड ग र म कू द वू न व

ॐ



०४



१ श्री गुरु नारायण नमः ॥ १२ ॥  
 श्री गुरु नारायण नमः ॥ १३ ॥  
 श्री गुरु नारायण नमः ॥ १४ ॥  
 श्री गुरु नारायण नमः ॥ १५ ॥  
 श्री गुरु नारायण नमः ॥ १६ ॥  
 श्री गुरु नारायण नमः ॥ १७ ॥

(सन् २४४५ सिद्धिदेवा स्वर्गेश्वर केशवदेव वा. डा. का. पा. आ. सि. क. प. अ. क. म. म. न. अ. न. ग. ह. र.)







कलयालयापुसंसायायगाममदजिवसयाइहासर्वदमित्ताहमेत्रिषीकलजाडाहन  
 गालससदासर्वकलकलयालसत्रयव्याननाधातकाजइडादयाकृपादयाकाडा  
 पुसन्नसविद्यायमावलधकेजनपुकारनदूत्रामान्यमुत्तियातंथलसमिरनामद  
 र्षस्वाविद्यायकाशगारवा, निगीकलयासुषदशनयाडाइदमालयकुरसाचानद  
 याडाइमुत्तियाडागलाहाथपुत्रनपादानंथनसगामाहावननंसाहमानयभनानं  
 जतिनामलववननमुत्तियावस्वपाजमनसअतिलसतायाडा





